हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय

(राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् द्वारा प्रत्यायित ‘ए’ ग्रेड विश्वविद्यालय)

हिंदी विभाग

समरहिल, शिमला-5

पाठ्यक्रम (स्नातक हिंदी)

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020

सत्र 2025-2026

हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के स्नातक स्तर के विद्यार्थियों हेतु निर्धारित हिंदी पाठ्यक्रम

प्रयोजनमूलक हिन्दी

प्रश्नपत्र: Skill Enhancement Course (SEC-1)

Paper Code (SEC HIN 113)

समय : 2 घंटा	सत्रांत परीक्षा : 50	आन्तरिक मूल्यांकन: 25	पूर्णांक : 75	क्रेडिट 3 : व्याख्यान 2, ट्यूटोरिअल 1

दूरवर्ती एवं ऑनलाइन शिक्षा केंद्र के लिए आन्तरिक मूल्यांकन विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (डेव) 2020 के नियमानुसार होगा।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :

प्रशासनिक हिंदी के प्रारूप की जानकारी प्रदान करना।

पत्राचार के विभिन्न रूपों से अवगत करवाना।

कम्प्यूटर और तकनीकी कार्यप्रणाली से कौशल प्रदान करना।

अधिगम उपलब्धियाँ :

विद्यार्थी प्रशासनिक हिंदी के स्वरूप की जानकारी ले सकेंगे।

पत्राचार संबंधी लेखन और प्रक्रिया से अवगत हो सकेंगे।

कम्प्यूटर का ज्ञान और उसकी कार्यप्रणाली से अवगत हो पाएँगे।

पाठ्यक्रम

इकाई - 1

प्रयोजनमूलक हिंदी : अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप

प्रयोजनमूलक हिंदी का महत्त्व

प्रयोजनमूलक हिंदी के विविध क्षेत्र

इकाई – 2

प्रशासनिक हिंदी : पत्रलेखन, प्रारूपण, टिप्पण, प्रतिवेदन, पत्राचार अर्थ एवं प्रकार।

प्रयुक्ति की अवधारणा

अनुवाद : मशीनी अनुवाद और अनुवाद-विषयक विविध साफ्टवेयर

इकाई – 3

कम्प्यूटर : हिंदी और देवनागरी लिपि के विविध प्रयोग

कम्प्यूटर की संरचना, वर्तनी संशोधक एवं डाटा प्रबन्धन

पारिभाषिक शब्दावली : संकल्पना, निर्माण सिद्धांत और परम्पराएँ

प्राश्निक के लिए निर्देश :

निर्धारित पाठ्यक्रम के आधार पर प्रत्येक इकाई से दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से एक का उत्तर देना अनिवार्य होगा।

सभी इकाइयों में से दस लघुत्तरीय प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से सात के उत्तर देने होंगे।

अंक विभाजन :

चार आलोचनात्मक प्रश्न : 3× 12= 36 अंक

लघुत्तरीय प्रश्न : 7 ×2 = 14 अंक

अनुशंसित पुस्तकें :

प्रोफ़ेसर श्रीराम शर्मा : प्रयोजनमूलक हिन्दी, कमल प्रकाशन, बिलासपुर, हिमाचल प्रदेश।

कैलाश भाटिया : प्रयोजनमूलक कामकाजी हिंदी, शिला प्रकाशन, नई दिल्ली।

राजेंद्र मित्र, राहेण शर्मा : प्रयोजनमूलक हिंदी की विधियाँ, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।

चंद्र कुमार : जनसंचार माध्यमों में हिंदी, क्लासिकल पब्लिकेशन कंपनी, नई दिल्ली।

दंगल झाल्टे : प्रयोजनमूलक हिंदी सिद्धांत और प्रयोग, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

डॉ. कैलाशचंद्र भाटिया : अनुवाद कला सिद्धांत और प्रयोग, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।

डॉ. रमेशचंद्र त्रिपाठी : प्रयोजनमूलक हिंदी विविध परिदृश्य, अलका प्रकाशन, कानपुर।

समाचार संकलन और लेखन

प्रश्नपत्र : Skill Enhancement Course (SEC-2)

Paper Code (SEC HIN 123)

समय : 2 घंटा	सत्रांत परीक्षा : 50	आन्तरिक मूल्यांकन: 25	पूर्णांक : 75	क्रेडिट 3 : व्याख्यान 3, ट्यूटोरिअल 0

दूरवर्ती एवं ऑनलाइन शिक्षा केंद्र के लिए आन्तरिक मूल्यांकन विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (डेव) 2020 के नियमानुसार होगा।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :

विद्यार्थियों में समाचार संकलन, तथा रोजगार प्राप्ति में समर्थ होंगे।

विद्यार्थियों को रोजगार के अवसर प्राप्त करने योग्य बनाना।

विद्यार्थियों में समाचार लेखन और संकलन के प्रति रूचि पैदा करना।

अधिगम उपलब्धियाँ :

समाचार का ज्ञान तथा इस क्षेत्र में रोजगार प्राप्ति हेतु सक्षम होंगे।

समाचार स्रोतों का वस्तुनिष्ठ ज्ञान प्राप्त करेंगे।

पाठ्यक्रम :

इकाई - 1

समाचार : परिभाषा एवं अवधारणा

समाचार का वर्गीकरण

समाचार के तत्त्व और स्रोत।

इकाई - 2

समाचार संकलन और लेखन की प्रविधि एवं प्रक्रिया

संवाददाता : कार्य, दायित्व एवं चुनौतियां

रिपोर्टिंग के प्रकार।

इकाई – 3

समाचार शीर्षक : निर्माण प्रविधि एवं महत्त्व।

लीड : आशय, निर्धारण के मानक एवं महत्त्व।

विविध संचार माध्यमों से प्राप्त समाचारों के पुनर्लेखन के आधार

प्राश्रिक के लिए निर्देश :

निर्धारित पाठ्यक्रम के आधार पर प्रत्येक इकाई से दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से एक का उत्तर देना अनिवार्य होगा।

सभी इकाइयों में से दस लघुत्तरीय प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से सात के उत्तर देने होंगे।

अंक विभाजन :

चार आलोचनात्मक प्रश्न : 3× 12= 36 अंक

लघुत्तरीय प्रश्न : 7 ×2 = 14 अंक

अनुशंसित पुस्तकें :

डॉ. हरिमोहन : समाचार फीचर लेखन एवं संपादन कला, तक्षशीला प्रकाशन, दिल्ली

डॉ. अर्जुन तिवारी : आधुनिक पत्रकारिता, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

प्रो. आशा राम डंगवाल : पत्रकारिता के मूल तत्व, प्रकाश बुक डिपो, बरेली

पंडित अम्बिका प्रसाद वाजपेयी : समाचार पत्र कला।